खंड अ

(I) मूल्य निरपेक्षता (II) मानकीय उपागम (III) जेम्स - I

(IV) अन्य सभी साहचर्यों का चरित्र . . . . . राज्य की सर्वोच्चता ही इसकी प्रमुख विशेषता है। ओ. पी. गाबा पृष्ठ 119

(V) सत्य (VI) जॉन लाक (VII) अर्नेस्ट बार्कर

(VIII) एच जे लास्की (IX) एम. के. गांधी (X) टालन

खंड ब

(2) राजनीति विज्ञान एवं राजनीतिक दर्शन के क्षेत्रों का संक्षिप्त वर्णन करना है। मानकीय पद्धति का भी संक्षिप्त वर्णन अपेक्षित है। महत्वपूर्ण विद्वानों के कथन एवं रेखीय प्रस्तुतीकरण अपेक्षित है।

(3) निम्नांकित बिन्दुओं पर संक्षिप्त वर्णन अपेक्षित है —

- अर्थशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान में ऐतिहासिक संबंध।
- अरस्तू एवं आदम स्मिथ की पुस्तकों के उल्लेख।
- लोककल्याणकारी राज्य की अवधारणा।
- वर्तमान राज्य के कार्यक्षेत्र जो राजनीति एवं अर्थशास्त्र के क्षेत्रों में समान हैं
- जो अर्थ पर नियंत्रण रखते हैं वही राजनीति पर नियंत्रण रखते हैं
- समसामयिक सिद्धांत जैसे कि समाजवाद, साम्यवाद आदि दोनों को प्रभावित करते है.

(4) निम्नांकित बिन्दुओं पर संक्षिप्त वर्णन अपेक्षित है —

- पूंजीवादी समाज के उदय के कारण मानवीय संबंधों को समझने के लिये जिस नये सैद्धांतिक फ्रेम की आवश्यकता पड़ी वह प्रदाय किया
- एक प्रजातांत्रिक समाज की स्थापना में योगदान दिया,
- संप्रभुता के आधुनिक सिद्धांत के विकास में योगदान दिया

5. निम्नांकित बिन्दुओं पर उत्तर अपेक्षित है-

- संप्रभुता क्या है?
- एक राज्य के लिये संप्रभुता का महत्व
- मैक्स वेबर का कथन
- उपादेयता

6. निम्नांकित बिन्दुओं पर उत्तर अपेक्षित है-

- अर्थ
- ऐतिहासिक विकास एवं प्रमुख विद्वान
- नारीवाद की मुख्य धाराएं
- आलोचनात्मक समीक्षा

7. ~~कहते~~ अपेक्षित है कि जे. एस. मिल, टी. एच. ग्रीन, एल. टी. हाबहाउस एवं लास्की के विचारों को संक्षेप में लिखें.

8. निम्नांकित बिन्दुओं पर उत्तर अपेक्षित है-
~~संपत्ति~~, स्वजन समूह, संपत्ति, रीतिरिवाज, शक्ति, आलोचनात्मक परीक्षण, विद्वानों के कथन आदि

9. निम्नांकित बिन्दुओं पर उत्तर अपेक्षित है:

- प्रजातंत्र के सिद्धांत से विरोध
- लोकप्रिय संप्रभुता के विचार की उपेक्षा
- परंपरागत कानूनों की उपेक्षा
- मेन द्वारा आलोचना
- आस्टिन के सिद्धांत की समाजवादी आलोचना
- लास्की द्वारा दी गई आलोचना आदि